बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यीशु, महान गुरु

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus

रूपान्तरकार: E. Frischbutter; Sarah S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

Alastair Paterson

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यीशु एक महान गुरु था -
अबतक का सबसे अच्छा।
भीड़ उसकी बातें सुनी।

यीशु उन्हें कृपालु,
अच्छा और दयालु
बनना सिखाया।

दूसरे उनसे
नफरत करेंगे और चोट
पहुंचाएंगे, परन्तु परमेश्वर
उनकी रखवाली करेगा।

यीशु बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा कि जैसे मोमबत्ती एक घर को रोशनी प्रदान करती है वैसे ही परमेश्वर के लोग भी जगत की ज्योति हैं।

एक मोमबत्ती एक अंधेरे कमरे में क्या फर्क पैदा कर देती है!

लोग कहते है, "आंख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत" परन्तु यीशु दया, क्षमा, प्रेम यहाँ तक की शत्रुओं से भी प्रेम करना सिखाया।

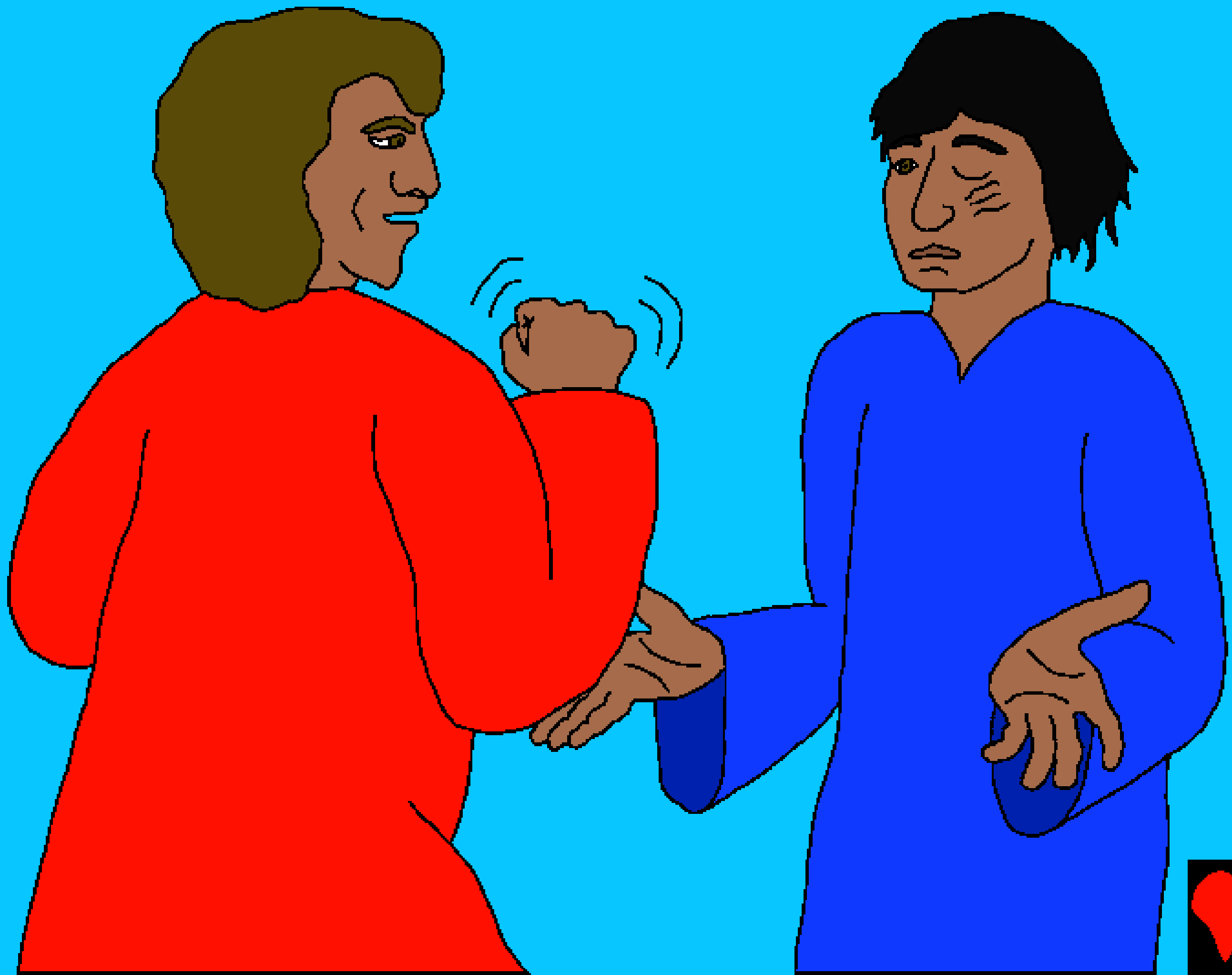

'यीशु के दिनों में, कुछ लोग बहुत पवित्र होने का ढ़ोंग किया करते थे। जब वे भिखारियों को पैसे देते थे तब, ...

... वे तुरही बजवाते थे ताकि सब लोग उनको देंखे। यीशु ने कहा, "अपने दान गुप्त में दिया करो तब परमेश्वर तुम्हें प्रतिफल देंगे।"

यीशु, प्रार्थना के बारे में भी ऐसा ही सिखाया।
कुछ लोग व्यस्त सड़क के कोनों पर प्रार्थना
की ताकि हर कोई देखे
और उन्हें सुन सके।

उनको परमेश्वर के बारे में परवाह नहीं
थी। उनके बारे में दूसरे लोग क्या सोचते है,
केवल उसके बारे में परवाह
थी। यीशु उन्हें कपटी - झूठे
अगुवे
बताया।

यीशु अक्सर उनके उपदेशों की व्याख्या करने के लिए प्रकृति का उदहारण दिया करता था।

उदाहरण के लिए, वह पक्षियों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, "तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें खिलाता है चिंता मत करो, परमेश्वर तुम्हे भी खिलाएगा।"

यीशु सीखाना जारी रखा, "यहां तक कि अमीर राजा सुलैमान भी अपने सारे वैभव में उन में से किसी सोसनों के समान वस्त्र पहिने हुए न था।"

"यदि परमेश्वर मैदान की घास को ऐसा वस्त्र पहिनाता हैं, तो क्या वह तुम्हे नहीं पहनायेगा?"

यीशु लोगों को परमेश्वर पर जो हमारी सभी जरूरतों को पूरा करता है भरोसा करना सिखा रहा था।

यीशु ने कहा, "जब तुम अपने भाई का न्याय करते हो, तब ऐसा होता है कि तुम अपने भाई के आँख का तिनका निकालने की कोशिस करते हो जबकि आप ही अपनी आँख का लठ्ठा नहीं दिखता।"

जबकि लोगों ने कुड़कुड़ाया। लेकिन उन्हें इसके अर्थ के बारे में सोचना पड़ा।

यीशु ने सिखाया कि मदद के लिए लोगों को परमेश्वर से बिनती करनी चाहिए। जब भूखे बच्चे रोटी मंगाते हैं तब क्या सांसारिक पिता उन्हें पत्थर देता है? नहीं! वे उन्हें अच्छी वस्तुएं देते हैं। परमेश्वर भी मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएं देता है।

यीशु, महान गुरु, झूठे शिक्षकों के बारे में चेतावनी दी। यीशु ने कहा, "वे भेड़ की पोशाक में आतें है लेकिन अंदर से वे भेड़िये हैं!" उन्होंने कहा कि झूठे शिक्षकों की पहचान उनके

जीवन शैली

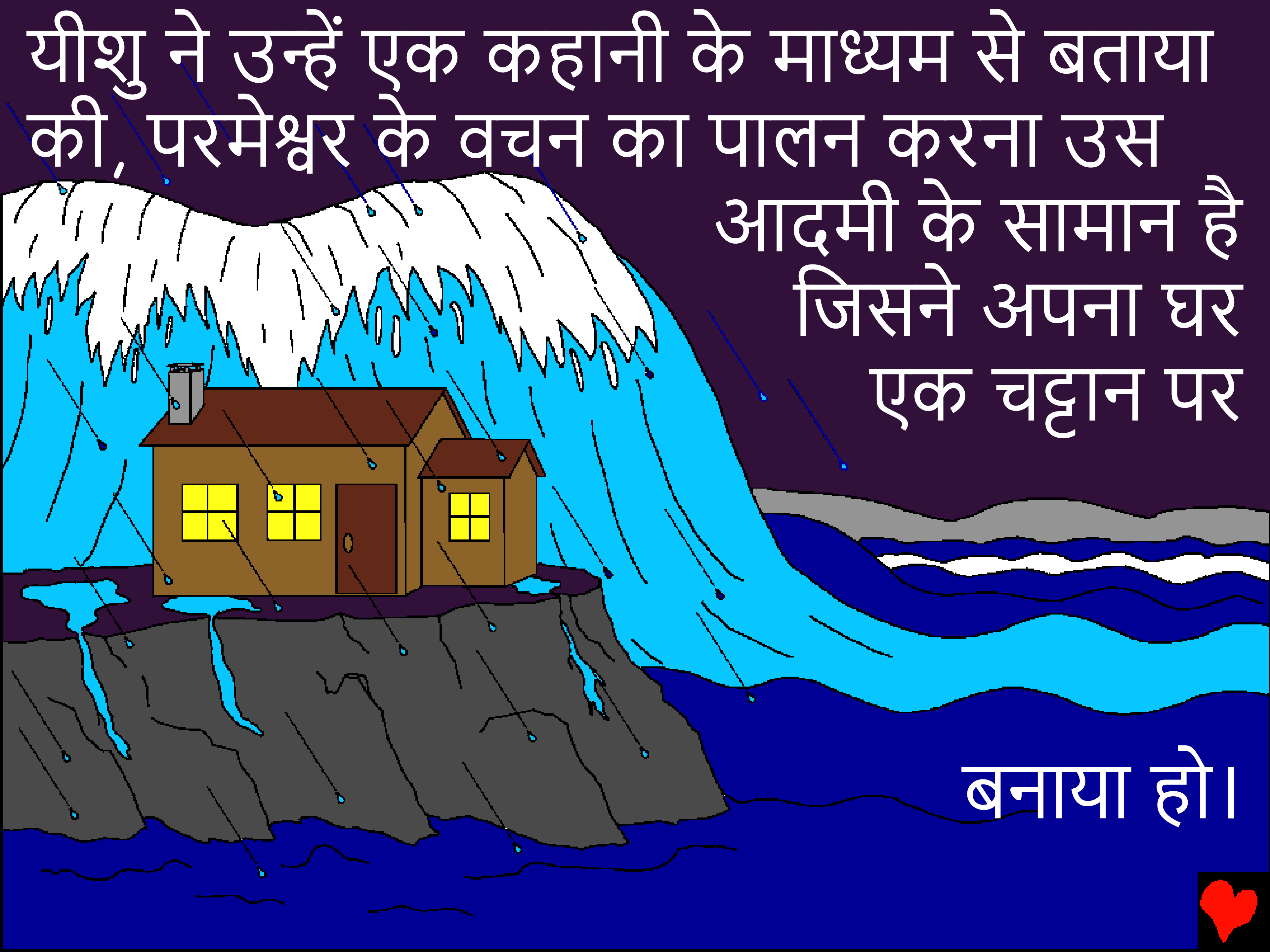
यीशु ने उन्हें एक कहानी के माध्यम से बताया
की, परमेश्वर के वचन का पालन करना उस
आदमी के सामान है
जिसने अपना घर
एक चट्टान पर
बनाया हो।

एक भयानक तूफान आता है। और जब वह समाप्त हो जाये, तौभी घर दृढ़ता से खड़ा रहता है।

लेकिन एक मूर्ख आदमी रेत पर अपना घर बनाया। और जब तूफान इसके खिलाफ उठा तब वह अपनी कमजोर नीव के कारण गिरकर ढेर हो गया।

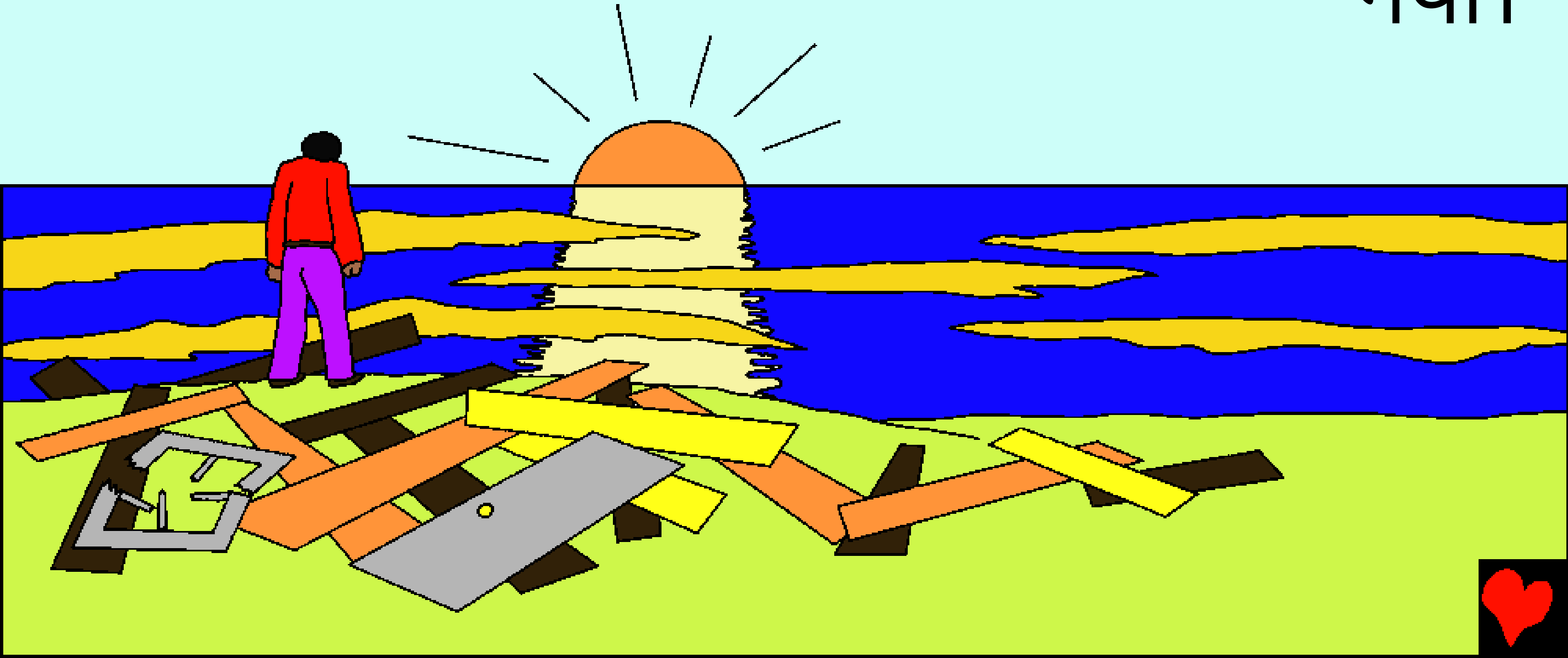

यीशु ने कहा, परमेश्वर के वचनों की आज्ञा पालन नहीं करने वाले लोग उस आदमी की तरह हैं।

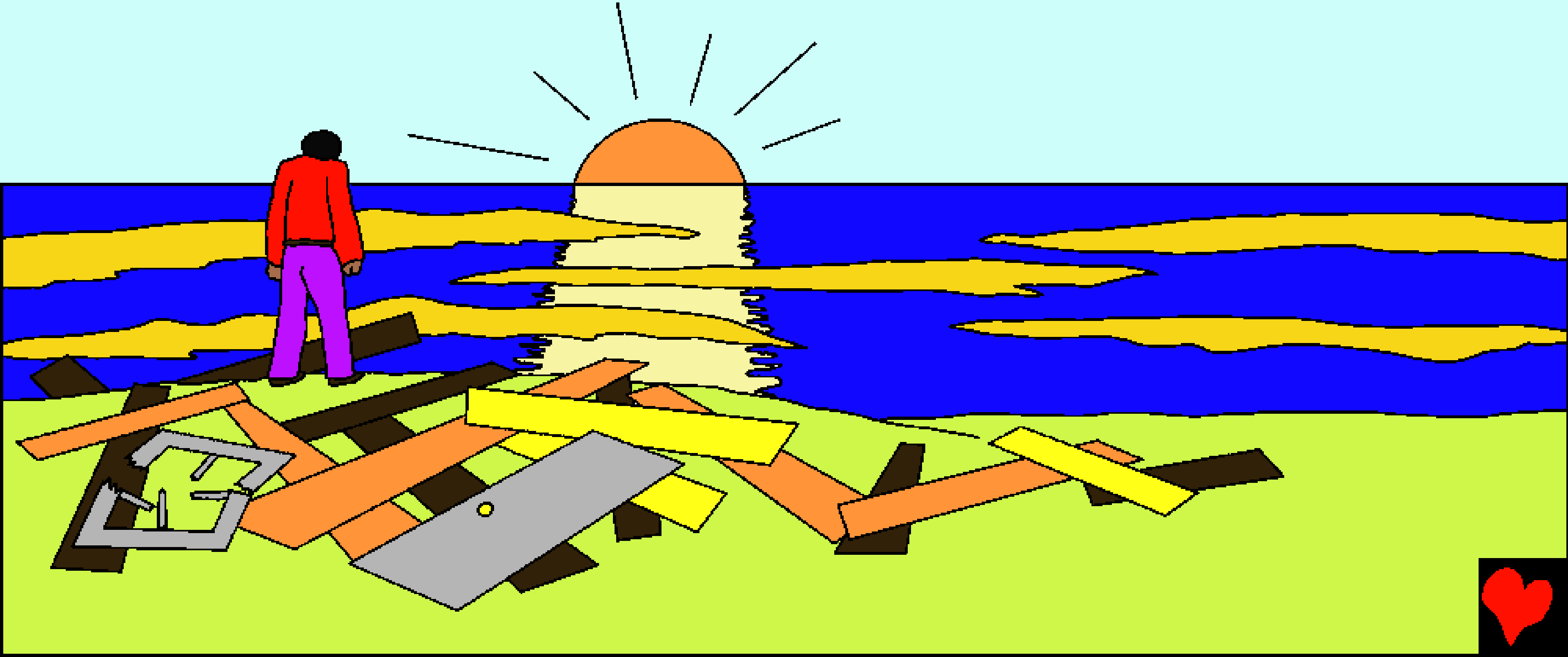

यीशु के शब्दों पर भीड़ हैरान थी। वे पहले ऐसी बातें कभी नहीं सुने थे।

अब वे जान लिए कि केवल परमेश्वर के वचनों को सुनना ही पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक दिन उसका पालन करना भी अनिवार्य है।

यीशु, महान गुरु

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 5-7, लूका 6

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर

सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए
जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से
बात करें! जॉन 3:16